हीरो एंटरप्राइज़ के सालाना कार्यक्रम माइंडमाइन समिट का 11वां संस्करण 20-21 अप्रैल को

नई दिल्ली (एजेंसी)। हीरो एंटरप्राइजेज़ द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र थिंक टैंक माइंडमाइन इंस्टीट्यूट ने वर्ष 2017 के लिए थॉट लीडरशिप कार्यक्रम की शुरुआत की है। एक प्रेरक माइंडमाइन परिचर्चा सत्र का आयोजन 31 मार्च को वित्तीय राजधानी में ताज लैंड्स में किया गया क्योंकि इस संस्थान का दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम माइंडमाइन समिट राजधानी में 20 और 21 अप्रैल को आयोजित किया जाता है।

हीरो समूह के इस वार्षिक आयोजन माइंडमाइन समिट के 11वें संस्करण में सरकार में वरिष्ठ मंत्री, उद्योगपति और विभिन्न क्षेत्रों से विचारक अपने विचारों का आदान प्रदान करेंगे। माइंडमाइन लीडरशिप कार्यक्रम के माध्यम से उच्च स्तरीय वार्ताओं की श्रृंखलाओं का आयोजन करता है। राजधानी में 20 और 21 अप्रैल को आयोजित किए जाने वाले इस साल के समिट का विषय है ''अवरोध-भारत के लिए नयी सामान्य चीज़'' दो दिवसीय इस सम्मेलन में विविध पैनलों में शामिल लोग परिचर्चा, आमने-सामने बैठकर विचारों का आदान प्रदान और विभिन्न मुद्दों जैसे अवरोध के उपरांत 2017 की शुरुआत से भारत की सफलता के लिए रोडमैप और वृद्धि पर बहस के जरिये उभरते राजनीतिक, कारोबारी और सामाजिक परिदृश्य का आकलन करेंगे। इस सम्मेलन के दौरान प्रतिष्ठित बीएमएल मुंजाल अवार्ड्स फॉर बिजनेस एक्सिलेंस थ्रू लर्निंग एंड डेवलपमेंट की भी घोषणा की जाएगी। इस शिखर सम्मेलन से पूर्व मुंबई में 31 मार्च, 2017 को अवरोध से ''भारतीय क्षण'' तैयार करने पर माइंडमाइन परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें उद्योग जगत की कई नामी हस्तियों ने हिस्सा लिया।

इस परिचर्चा में विभिन्न क्षेत्रों से हिस्सा लेने वाली हस्तियों में पिरामल एंटरप्राइजेज़ के चेयरमैन अजय पिरामल, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप में चेयरमैन (एशिया प्रशांत) जन्मेजय सिन्हा, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एमडी एवं सीईओ विक्रम लिमये, योजना आयोग के पूर्व सदस्य अरुण मैरा, बीएसई के एमडी एवं सीईओ आशीष चौहान, पूर्व सेबी प्रमुख एम. दामोदरन, आरबीआई की पूर्व डिप्टी गवर्नर सु ऊषा थोरात, आरबीएल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ विश्ववीर आहूजा, उद्यमी एवं वित्तीय सलाहकार (कॉस्मिककमंडल15 ग्रुप) अखिल कंपानी, एडलवेइस ग्लोबल वेल्थ मैनेजमेंट में मैनेजिंग पार्टनर आलोक सैगल, एडलवेइस फाइनेंशियल सर्विसेज़ में निजी धन प्रबंधन प्रमुख अंशु कपूर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं प्रमुख (डिजिटल कारोबार एवं विपणन) मनीष दुबे, सिरिल अमरचंदमंगलदास में साझेदार रिषभ श्रॉफ, कदु कैपिटल की संस्थापक एवं प्रबंधक निदेशक सु मता मीरचंदानी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ संदीप बख्शी शामिल रहे।

मुंबई में हुई माइंडमाइन परिचर्चा में कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और इसका उद्देश्य इस सवाल को हल करना था कि निजी क्षेत्र के निवेश के जरिये कैसे वृद्धि बहाल की जा सकती है क्योंकि निजी क्षेत्र के निवेश के लिए भरोसा पैदा करने के उपायों, मंजूरियों को आसान बनाने और ऋणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जरूरत होगी। भारतीय उद्योग जगत राजकाज की चुनौतियों जैसे मुद्दों का सामना कर रहा है। इस परिचर्चा में प्रवर्तक (उसके सभी दायित्वों के साथ) की भूमिका और अन्य निवेशकों की भूमिका को संतुलित करने की जरूरत पर चर्चा की गई।

इस समिट के 11वें संस्करण की घोषणा करते हुए हीरो एंटरप्राइज़ के चेयरमैन और हीरो कॉरपोरेट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन सुनील कांत मुंजाल ने कहा, ''मुझे माइंडमाइन समिट के 11वें संस्करण की घोषणा करते हुए अत्यधिक संतुष्टि मिल रही है। पिछले एक दशक में हमारे देश के विभिन्न पहलुओं के बारे में सार्थक चर्चा को बढ़ावा देने में यह समिट सुनने, बोलने और भागीदारी के लिहाज़ से एक अति महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है। मुझे इस बात का गर्व है कि वार्ता एवं बहस के लिए माइंडमाइन समिट के रूप में सही मायने में एक स्वतंत्र मंच का निर्माण किया गया है। हमें विश्वास है कि माइंडमाइन समिट का नवीनतम संस्करण इस साहसिक नयी दुनिया में हमारे देश को अग्रणी बनाने के लिए अवसरों, चुनौतियों और ऐतिहासिक समाधानों पर एक बार फिर रोशनी डालेगा।''

मुंबई माइंडमाइन परिचर्चा में लोगों को संबोधित करते हुए मुंजाल ने कहा, ''हाल के समय में भारत में बुनियादी स्तर पर एक विघ्न उत्पन्न हुआ जो हमारे समाज में विभिन्न तरह से बदलाव ला रहा है और यह उम्मीद जग रहा है कि भारत पहले के मुकाबले कहीं अधिक तेज़ी से प्रगति करेगा। इन विभिन्न बदलावों के बीच एक अहम चीज़ देखने को मिल रही है और वह विघ्न से मुंह फेरने के बजाय इसे स्वीकार करना है। इस परिचर्चा में जो चीजें सामने आई हैं उन पर नयी दिल्ली में होने वाले दो दिवसीय माइंडमाइन समिट में चर्चा की जाएगी। यह समिट में कॉरपोरेट क्षेत्र, सरकार, नौकरशाही और मनोरंजन कारोबार सहित सभी सामाजिक क्षेत्र से प्रभावशाली लोग हिस्सा लेंगे।